

चमकना अ.क्रि. (देश.) रह रहकर दर्द करना, टीसना, चमकना, पीड़ा उठना।

चबर-चबर स्त्री. (अनु.) 1. मुँह में कुछ चबाने से होने वाली ध्वनि 2. व्यर्थ की बकवास

चबाई स्त्री. (देश.) चलाने की क्रिया, ढंग या भाव।

चबाना स.क्रि. (तद्.) 1. दाँतों से कुचलना, जुगालना मुहा. चबा चबाकर बातें करना- एक-एक शब्द धीरे-धीरे बोलना।

चबारा पुं. (देश. चौबारा) घर के ऊपर का बंगला, चौबारा।

चबूतरा पुं. (तद्.) 1. बैठने के लिए चौरस बनाई गई ऊँची जगह, चौतरा 2. कोतवाली, बड़ा थाना।

चबेना पुं. (देश.) चबाकर खाने के लिए भूना हुआ अनाज, चर्वण, भूजा।

चबैना पुं. (देश.) दे. चबेना।

चमक पुं. (अनु.) पानी में वस्तु के डूबने का शब्द, काटने या डंक मारने की क्रिया।

चमाना स.क्रि. (देश.) किसी को चाभने या खाने में प्रवृत्त करना, भोजन कराना।

चमोक पुं. (देश.) बेवकूफ, मूर्ख।

चमोरना स.क्रि. (देश.) 1. डुबोना, गोता लगाना, आप्लावित करना, भिगोना।

चमक स्त्री. (देश.) 1. प्रकाश, ज्योति, रोशनी। प्रयो. अंधकार में बिजली की चमक सब कुछ रोशन कर देती है 2. कांति, दीप्ति, आभा, झलक प्रयो. सोने की चमक सभी को मोह लेती है मुहा. चमक मारना-चमकना, झलकना, चमक लाना-झलकाना 3. कमर आदि का वह दर्द जो चोट लगने या एक बारगी अधिक बल पड़ने से होता है, लचक, झटका प्रयो. उसकी कमर में चमक आ गई है।

चमक चाँदनी स्त्री. (देश.) बनी ठनी रहने वाली दुश्चरित्र स्त्री।

चमक-दमक स्त्री. (देश.) 1. दीप्ति, आभा, झलक, तडक-भडक 2. ठाट-बाट प्रयो. महल की चमक-दमक देखकर लोग दंग रह गए।

चमकदार वि. (देश.+फा.) जिसमें चमक हो, चमकीला, भड़कीला।

चमकना अ.क्रि. (देश.) 1. प्रकाशित होना, देदीप्यमान होना, जगमगाना 2. कांति या आभा से युक्त होना, झलकना, दमकना प्रयो. सोने चाँदी का चमकना सभी को अच्छा लगता है 3. कीर्ति लाभ प्राप्त करना, प्रसिद्ध होना, समृद्धि प्राप्त करना, श्री संपन्न होना, उन्नति करना प्रयो. वह विदेश जाते ही चमक गया 4. वृद्धि प्राप्त करना, बढ़ना, बढ़ती पर होना प्रयो. आजकल उसकी वकालत खूब चमक रही है 5. चौकना, भड़कना, चंचल होना प्रयो. लाल कपड़ा देखकर घोड़ा चमक गया है 6. फुरती से खिसक जाना, झट से निकल जाना 7. एक बारगी दर्द होना प्रयो. अधिक बोझ उठाते ही उसकी कमर चमक गई 8. मटकना, उँगलिया हिलाकर भाव बताना 9. मटक कर कोप प्रकट करना 10. लड़ाई करना, झगड़ा होना प्रयो. आजकल उन दोनों में खूब चमक हो रही है 11. कमर में चिक आना, अधिक बल पड़ने या चोट पहुँचने के कारण कमर में दर्द उठना, झटका लगना, लचक आना प्रयो. लकड़ी का बोझ इतना भारी था कि उसे उठाने में उसकी कमर ही चमक गई।

चमकनी स्त्री. (देश.) 1. चमक जाने वाली, जल्दी भड़क जाने वाली 2. हाव-भाव करने वाली।

चमकाना स.क्रि. (देश.) 1. चमकीला करना, दीप्तिमान करना, झलकाना 2. उज्ज्वल करना, निर्मल करना, साफ करना 3. झड़काना, चौंकाना 4. चिढ़ाना, खिझाना 5. घोड़े को चंचलता के साथ बढ़ाना 6. उँगली चमकाना।

चमकीला वि. (देश.) 1. जिसमें चमक हो, चमकने वाला, चमकदार 2. अड़कदार, भड़कीला, शानदार।

चमकौवल स्त्री. (देश.) 1. चमकाने की क्रिया, शरीर के अंगों को नखरे से चमकाने-मटकाने की क्रिया 2. भड़काने की क्रिया।

चमगादड़ पुं. (तद्.) रात में उड़ने वाला एक बड़ा जंतु जिसके चारों पैर झिल्लीदार होते हैं विशेष. यह जमीन पर अपने पैरों से चल फिर नहीं